

कूबतेबाह पुं. (अर.) रतिकर्म की शक्ति।

कूबतेरुहानी स्त्री. (अर.) आत्मबल, मनोबल।

कूबर पुं. (तत्.) 1. कुबड़ा व्यक्ति 2. गाड़ी या रथ की वह बल्ली जिससे जुआ बाँधा जाता है वि. 1. सुंदर, रुचिकर, प्रिय 2. कूबड़वाला।

कूबरी स्त्री. (तत्.) दे. कुबरी 2. पर्दे आदि से ढँकी गाड़ी 3. रथ या गाड़ी की बल्ली जिससे जुआ बाँधा जाता है।

कूर वि. (तद्.) 1. दयारहित, निर्दय 2. भयंकर 3. मनहूस, असगुनियाँ 4. दुष्ट, बुरा, कुमार्गी 5. जिसका किया कुछ न हो, अकर्मण्य 6. नासमझ, अनजान पुं. (देश.) लगान की वह कमी जो उच्च जातियों को मुजरा दी जाती है, जिससे वे लोग हलवाहा रख सके पुं. (तत्.) उबाला हुआ चावल, भात।

कूरता स्त्री. (तद्.) निर्दयता, बेरहमी, कठोरता 2. जड़ता, मूर्खता 3. अरसिकता 4. कायरता, डरपोकपन।

कूरपन पुं. (तद्.) दे. कूरता।

कूर्च पुं. (तत्.) 1. मुठ्ठी भर कुश 2. दोनों भौहों के बीच का स्थान 3. अंगूठे और तर्जनी के बीच का स्थान 4. झूठ, असत्य 5. दंग 6. एक प्रकार का आसन 7. कूँची, मस्तक, सिर 8. गोदाम, भांडार 9. दाढ़ी 10. मोरपंख।

कूर्चक पुं. (तत्.) 1. कूँची 2. दाँतों को स्वच्छ करने की कूँची 3. एक माप या तौल।

कूर्चिका स्त्री. (तत्.) 1. कूँची 2. कली 3. कुंजी 4. सुई 5. फटा हुआ दूध, छेना।

कूर्दन पुं. (तत्.) 1. कूदने की क्रिया, उछलना कूदना।

कूर्प पुं. (तत्.) भौहों के बीच का स्थान, भ्रुकुटी।

कूर्पर पुं. (तत्.) 1. पैर के बीच का जोड़, घुटना 2. हाथ के बीच का जोड़, कुहनी।

कूर्म पुं. (तत्.) 1. कच्छप, कछुआ 2. पृथ्वी 3. प्रजापति का एक अवतार 4. एक ऋषि, जिन्होंने

ऋग्वेद के कई सूत्रों का विकास किया था 5. एक वायु जिसका निवास आँखों में है और जिसके प्रभाव से पलकें खुलती बंद होती हैं, वह दस प्राणों में से एक है 6. नाभिचक्र के पास की एक नाड़ी, कछुआ, पोतनहर 7. विष्णु का दूसरा अवतार 8. एक मुद्रा या आसन, जिसका व्यवहार देवता के ध्यान के समय किया जाता है 9. दे. 'कूर्मासन'।

कूर्मपुराण पुं. (तत्.) अठारह मुख्य पुराणों में से एक।

कूर्मपृष्ठ पुं. (तत्.) 1. कछुए की पीठ 2. वह स्थान जो कछुए की पीठ की तरह ऊँचा नीचा हो 3. बाणपुष्प या अम्लान नामक वृक्ष 4. तश्तरी या किसी वस्तु का ढक्कन।

कूर्मा स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की वीणा।

कूर्मासन पुं. (तत्.) योग में एक प्रकार का आसन जिसमें शरीर को कछुए की आकृति का बनाया जाता है।

कूर्मिका स्त्री. (तत्.) एक प्रकार का बहुत पुराना बाजा, जिसमें बजाने के लिए तार लगे होते हैं।

कूर्मी स्त्री. (तत्.) दे. कूर्मिका।

कूलंकष वि. (तत्.) तट को छूने वाला पुं. (तत्.) 1. नदी की धारा या प्रवाह 2. समुद्र, सागर, कूलंकणा स्त्री. (तत्.) सरिता, नदी।

कूलंज पुं. (अर.) आंत का दर्द, अंतड़ियों की पीड़ा।

कूल पुं. (तत्.) 1. किनारा, तट, तीर 2. सेना के पीछे का भाग 3. समीप, पास 4. बड़ा नाला, नहर 5. तालाब 5. दूहा, टीला।

कूलक पुं. (तत्.) 1. तट, किनारा 2. बल्मीक, बाँबी 3. दूह, टीला।

कूलवती स्त्री. (तत्.) नदी।

कूला पुं. (तद्.) 1. वह छोटा नाला जो किसी नदी नाले से पानी लाने के लिए खोदा गया हो, छोटी नहर 2. दे. कूल्हा।

कूलिका स्त्री. (तत्.) वीणा या सितार के नीचे का भाग।